# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

# मासिक प्रतिवेदन

## फरवरी 2021

**बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण**

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची पेज नं.


**(A)** अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण 1–5

**(B)** मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम 6–7

**(C)** भूकम्प सुरक्षा मॉकड्रिल का आयोजन 08

**(D)** अग्नि सुरक्षा पर आधारित कार्यशाला 09

**(E)** "सड़क सुरक्षा सप्ताह (01 से 07 फरवरी 2021)" 10–12

**(F)** जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम 13–14

**(G)** सुरक्षित तैराकी कार्यक्रमः के अंतर्गत मास्टर ट्रेनर्स के रिफ्रेशर हेतु तैयारी बैठक एवं NINI एवं एस0डी0आर0एफ0 के प्रशिक्षकों का संवेदीकरण 15

**(H)** अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम 16–17

**(I)** पशुधन सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 18–19

**(J)** संसाधन की उपलब्धता ही नहीं, जानकारी भी जरूरी 20–21

(K) **Mass Messaging** 22–23

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

Mason Training on 02-05 February 2021 at Begusarai District

## मासिक प्रतिवेदन (फरवरी, 2021)

## (A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण

दिनांक 31 जनवरी 2021 तक 34 जिलों में कुल 14308 राजमिस्त्रियों एवं 35 जिलों में (मुख्यालय सहित) कुल 2577 असैनिक अभियंताओं को भूकम्परोधी भवन निर्माण के लिए प्रशिक्षित किया जा चुका है।
फरवरी माह में प्रशिक्षण का ब्यौरा इस प्रकार है।

(1) दिनांक 02 से 05 फरवरी 2021 तक बेगूसराय जिला के कुल 29 असैनिक अभियंताओं को भूकम्परोधी भवन निर्माण की चार दिवसीय प्रशिक्षण के दिया गया।

(2) दिनांक 29 जनवरी से 04 फरवरी 2021 तक, बेगूसराय जिला के सभी 18 प्रखंडों में कुल 527 राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी भवन के विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया गया।

(3) दिनांक 11 से 17 फरवरी 2021 तक, समस्तीपुर जिला के सभी 20 प्रखंडों के कुल 578 राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी भवन के विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

(4) दिनांक 24 फरवरी से 02 मार्च 2021 तक, कटिहार जिला के सभी 16 प्रखंडों में कुल 466 राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी भवन के लिए सात दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

(5) दिनांक 18 से 19 फरवरी 2021 को राजमिस्त्रियों के अगामी प्रशिक्षणों के लिए प्रशिक्षकों/भावी प्रशिक्षकों के कुल 23 अभियंताओं का एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स प्राधिकरण के सभा कक्ष में सम्पादित किया गया।

(6) दिनांक 22 फरवरी 2021 को राजमिस्त्रियों के अगामी प्रशिक्षणों के लिए प्रशिक्षकों/भावी प्रशिक्षकों के कुल 22 प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों का एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स प्राधिकरण के सभा कक्ष में सम्पादित किया गया।

जनवरी 2021 तक राज्य में कुल 14308 राजमिस्त्रियों एवं 2577 असैनिक अभियंता प्रशिक्षित हो चुके हैं।

इस प्रकार फरवरी 2021 तक राज्य में कुल 14308+527+578+466 = **15879 राजमिस्त्रियों** एवं 2577+29= **2606 असैनिक अभियंताओं** को प्रशिक्षित किया गया है।

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

## फरवरी 2021 में संचालित कार्यक्रमों का विवरण

| अभियंताओं का प्रशिक्षण/रिफ्रेशर कोर्स | | | |
|---|---|---|---|
| **क्र.सं.** | **कार्यक्रम का नाम** | **प्रशिक्षण तिथि/स्थान** | **प्रशिक्षित प्रतिभागी की संख्या** |
| 1 | अभियंताओं का चार दिवसीय प्रशिक्षण | 02 से 05 फरवरी/बेगूसराय | 29 अभियंताओं |
| 2 | राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण | 29 जनवरी से 04 फरवरी/बेगूसराय | 527 राजमिस्त्रियों |
| 3 | राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण | 11 से 17 फरवरी/समस्तीपुर | 578 राजमिस्त्रियों |
| 4 | राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण | 24 फरवरी से 02 मार्च/कटिहार | 465 राजमिस्त्रियों |
| 5 | रिफ्रेशर कोर्स | 18 एवं 19 फरवरी को BSDMA, पटना में। | 23 अभियंताओं |
| 6 | रिफ्रेशर कोर्स | 22 फरवरी को BSDMA, पटना में। | 22 अभियंतओं/राजमिस्त्रियों |

| बेगूसराय जिले में राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण | | | |
|---|---|---|---|
| **क्र. सं.** | **ब्लॉक का नाम** | **प्रशिक्षण तिथि** | **प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की संख्या** |
| 1 | मंसूरचक | 29 जनवरी से 04 फरवरी 2021 | 29 |
| 2 | बछवारा | | 27 |
| 3 | तेघरा | | 29 |
| 4 | भगवानपुर | | 30 |
| 5 | बरौनी | | 30 |
| 6 | बीरपुर | | 30 |
| 7 | चेरिया बरियारपुर | | 30 |
| 8 | खोदावंदपुर | | 30 |
| 9 | छौड़ाही | | 27 |
| 10 | गढ़पुरा | | 30 |
| 11 | बखरी | | 29 |
| 12 | नावकोठी | | 29 |
| 13 | बेगूसराय | | 30 |
| 14 | मटिहानी | | 30 |
| 15 | बलिया | | 30 |
| 16 | डंडारी | | 30 |
| 17 | साहेबपुर कमाल | | 30 |
| 18 | साम्हो अखा कुरहा | | 27 |
| | | **कुल** | **527** |

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

| समस्तीपुर जिले में राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण | | | |
|---|---|---|---|
| क्र. सं. | ब्लॉक का नाम | प्रशिक्षण तिथि | प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की संख्या |
| 1 | समस्तीपुर | 11 से 17 फरवरी 2021 | 28 |
| 2 | मोखा | | 28 |
| 3 | तजपुर | | 26 |
| 4 | पूसा | | 30 |
| 5 | कल्याणपुर | | 30 |
| 6 | वारिसनगर | | 30 |
| 7 | खानपुर | | 29 |
| 8 | शिवाजीनगर | | 30 |
| 9 | सिंघिया | | 29 |
| 10 | विभूतिपुर | | 26 |
| 11 | रोसड़ा | | 30 |
| 12 | हसनपुर | | 29 |
| 13 | बिथान | | 30 |
| 14 | सरायरंजन | | 30 |
| 15 | उजियारपुर | | 29 |
| 16 | दलसिंगसराय | | 29 |
| 17 | विद्यापतिनगर | | 29 |
| 18 | मेहिउद्दीनगर | | 29 |
| 19 | पटोरी | | 29 |
| 20 | मोहनपुर | | 28 |
| | | कुल | **578** |

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

| कटिहार जिला में राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण। | | | |
|---|---|---|---|
| क्र. सं. | ब्लॉक का नाम | प्रशिक्षण तिथि | प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की संख्या |
| 1 | हसनगंज | | 30 |
| 2 | डंडखोरा | | 30 |
| 3 | कदवा | | 30 |
| 4 | आजमनगर | | 30 |
| 5 | बारसोई | | 30 |
| 6 | बलरामपुर | | 30 |
| 7 | कोढा | | 30 |
| 8 | बरारी | | 30 |
| 9 | समेली | | 29 |
| 10 | कुरसेला | | 30 |
| 11 | फलका | | 30 |
| 12 | कटिहार | | 30 |
| 13 | प्राणपुर | | 29 |
| 14 | अमदाबाद | | 28 |
| 15 | मनिहारी | | 29 |
| 16 | मनसाही | | 21 |
| | | कुल | **466** |

## (B) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

1. दूरदर्शन बिहार पर "मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय" कार्यक्रम के अंतर्गत "मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार" को प्रत्येक शनिवार को प्रसारित किया जा रहा है। शनिवार के दिन सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम में विभिन्न आपदाओं के बारे में (सुरक्षित शनिवार की वार्षिक सारणी के अनुसार) बच्चों को बताया जा रहा है। दूरदर्शन पर "मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय" कार्यक्रम के अंतर्गत प्रसारित होने वाले इस सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम में न केवल विभिन्न आपदाओं से बचाव के बारे में सैद्धांतिक जानकारी दी जाती है बल्कि राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) और अन्य के सहयोग से विभिन्न आपदाओं के बारे में व्यावहारिक जानकारी भी मॉकड्रिल तथा प्रदर्शन (demonstration) के माध्यम से दी जाती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चे जो कुछ भी सीखेंगे वह सभी के काम आने वाली जानकारी होगी। अतः बच्चों से इस कार्यक्रम के माध्यम से यह अपेक्षा की जा रही है कि वे उन जानकारियों को अपने परिवार में सभी के साथ चर्चा करेंगे और जानकारियां साझा करेंगे इससे बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। सत्र के अंत में बच्चों से कुछ सवाल भी पूछे जाते हैं तथा गृहकार्य भी दिया जाता है। इस प्रकार धीरे–धीरे सीखते–सीखते हम सब मिलकर अपने राज्य बिहार को आपदाओं से सुरक्षित राज्य बनाने में सफल होंगे।

"मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय" कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक शनिवार के दिन "मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार" का यह कार्यक्रम दिनांक 09 मई 2018 से लगातार प्रसारित हो रहा है। प्रसारण के पश्चात इसे यू–ट्यूब चैनल पर अपलोड भी कर दिया जाता है। अब तक प्रसारित सभी एपिसोड को यू–ट्यूब पर अपलोड कर दिया गया है, इसे कभी भी कोई भी देख सकता है और विभिन्न प्रकार की आपदाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है। फरवरी माह में दूरदर्शन, बिहार पर प्रसारित हुए सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का यू–ट्यूब लिंक नीचे लिखा हुआ है –

चालीसवां एपिसोड (06 फरवरी) -

इकतालीसवां एपिसोड (13 फरवरी) -

बयालीसवां एपिसोड (20 फरवरी) - https://youtu.be/jwl3mZ8SL7w

तेतालीसवां एपिसोड (27फरवरी) - https://youtu.be/OUbN8wFbfDQ

2. मदरसा के फोकल शिक्षकों का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण पूर्व से चलाया जा रहा था और 40 बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न कर लिया गया। परंतु वैश्विक महामारी कोरोना के कारण यह प्रशिक्षण मार्च 2020 से बंद था। पुनः इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को दिनांक 18 जनवरी, 2021 से प्रारंभ किया गया है। फरवरी माह में सात प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन मदरसा बोर्ड के विद्यापति मार्ग स्थित कार्यालय में चलाया गया। इन सातों सत्रों की तिथि तथा इसमें शामिल प्रतिभागियों कि संख्या इस प्रकार है।

| क्र. सं. | प्रशिक्षण तिथि | प्रतिभागियों कि संख्या |
|---|---|---|
| 1 | 01 -02 फ़रवरी | 28 |
| 2 | 04 -05 फ़रवरी | 44 |
| 3 | 08 -09 फ़रवरी | 46 |
| 4 | 11 - 12 फ़रवरी | 33 |
| 5 | 18 - 19 फ़रवरी | 34 |
| 6 | 22 - 23 फ़रवरी | 44 |
| 7 | 25 - 26 फ़रवरी | 39 |

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

## (C) भूकम्प सुरक्षा मॉकड्रिल का आयोजन

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा भूकम्प सुरक्षा मॉकड्रिल का दो दिवसीय आयोजन दिनांक 12.02.2021 को पटना वीमेन्स कॉलेज के 1500 छात्राओं एवं महाविद्यालय के पदाधिकारी और एस.डी.आर.एफ. द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अन्य हितभागी यथा–बिहार अग्निशाम सेवाएं सिविल डिफेंस, स्वास्थ्य विभाग, पटना ट्रैफिक पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के पहले दिन छात्राओं को समूह में बांटकर प्राथमिक चिकित्सा, अग्नि सुरक्षा, सी.पी.आर. पर एस.डी.आर.एफ. के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। मॉकड्रिल के दौरान निर्धारित समय पर भूकम्प आने की सूचना के लिए सायरन बजाया गया। कुछ ही देर बाद छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं ने सिर पर हाथ रख एवं बैग लेकर सफलतापूर्वक निर्धारित सुरक्षित स्थल पर एकत्रित हुए। इस प्रकार छात्राओं की गिनती के बाद घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल व प्राथमिक चिकित्सा देकर अस्पताल पहुंचाया गया। इस मौके पर छात्राओं को बिहार अग्निशाम सेवाएं के विशेषज्ञों द्वारा भूकम्प के दौरान अगलगी की घटना में सुरक्षा के उपाय की जानकारी दी।

इस मौके पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ0 एम. रश्मि ए.सी., नोडल ऑफिसर डॉ0 आशीष कुमार, सिविल डिफेंस के एस.पी. श्री विजय कुमार, एस.डी.आर.एफ. के द्वितीय कमान अधिकारी, श्री के.के. झा उपस्थित थे।

## (D) अग्नि सुरक्षा पर आधारित कार्यशाला

अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा Guidelines for Prevention and Mitigation of Fire Disasters मार्गदर्शिका जिसका निर्माण आपदा प्रबंधन अधिनियम – 2005 की धारा 18 (2) (D) के आलोक में अगलगी की रोकथाम, जोखिम न्यूनीकरण, पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्द्धन हेतु किया गया है।

उपरोक्त के आलोक में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन के सभा कक्ष में दिनांक 25.02.2021 को अग्नि सुरक्षा पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष, श्री व्यास जी एवं सदस्य, श्री पी.एन. राय के साथ–साथ, महासमादेष्टा–सह–महानिदेशक, बिहार अग्निशाम सेवाएं तथा गृह रक्षावाहिनी, श्रीमती शोभा अहोतकर, सचिव, पी.एच.ई.डी., श्री जीतेन्द्र श्रीवास्तव एवं उर्जा विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन एवं मत्स्य संसाधन विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिलों के 250 प्रतिनिधियों ने वर्चुअल रूप से इसे आयोजन में शामिल हुए।

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

## (E) "सड़क सुरक्षा सप्ताह (01 से 07 फरवरी 2021)"

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा **"राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 18 जनवरी से 17 फरवरी 2021"** तक मनाये जाने की घोषणा की गई। इस आलोक में प्रत्येक वर्ष की भांति बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 01 से 07 फरवरी तक **"सड़क सुरक्षा सप्ताह 2021"** मनाने जाने का निर्णय लिया। उक्त के आलोक में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा **"सड़क सुरक्षा सप्ताह 2021"** के दौरान सम्पन्न की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा करने हेतु तैयारी बैठक का आयोजन श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में दिनांक 13 जनवरी 2021 को प्राधिकरण के सभागार में किया गया। सभी प्रतिभागियों द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान राज्य एवं जिले के स्तर पर आयोजित होने वाली गतिविधियों के संबंध में निर्णय लिए गए।

**सड़क सुरक्षा सप्ताह 2021 के दौरान प्राधिकरण स्तर से विभिन्न हितभागियों के सहयोग से किये गये कार्य :**

प्रत्येक वर्ष की भांति कोविड–19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए "सड़क सुरक्षा सप्ताह (01–07 फरवरी 2021)" के दौरान इस आयोजन में प्राधिकरण द्वारा सप्ताह के दौरान प्रत्येक दिन कम्यूनिटी ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से पटना, मुजफ्फपुर एवं पूर्वी चम्पारण जिलों में सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु साइकिल रैली निकाली गई।

प्राधिकरण द्वारा संकल्प ज्योति संस्था के सहयोग से पटना के 10 चिन्हित दुर्घटना प्रवण स्थलों यथा चिरैंयाटांड़ पुल के नीचे, धनुकी मोड़, जीरो माइल, बेऊर मोड़, अनिसाबाद मोड़, टम–टम पड़ाव, भगत सिंह चौक, कुर्जी मोड़, किदवईपुरी मोड़ और रूकनपुरा आदि स्थानों पर लाइफ सपोर्ट सह गुड समैरिटन सोसायटी का गठन किया गया। इस सोसायटी में 04–05 सक्रिय स्थानीय दुकानदारों, निवासियों, वाहन चालकों आदि को शामिल किया गया है। इस समिति के गठन का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार प्रदान करना एवं उन्हें नजदीकी अस्पताल में पहुँचाना है। समिति के सदस्यों को गुड समैरिटन गाइडलाईन्स के बारे में अवगत कराया गया। उल्लिखित स्थानों पर प्राधिकरण स्तर से समिति के सदस्यों को फर्स्ट ऐड किट प्रदान किया गया।

प्राधिकरण द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से बचने हेतु सलाह (Advisory) को पटना शहर के विभिन्न स्थानों यथा – विस्कोमान भवन, गांधी मैदान, पटना वीमेन्स कॉलेज के पास, पंत भवन के पास, विश्वेश्वरैया भवन के पास, इको पार्क गेट नं0 –01 एवं 02 के पास, पटना जंक्शन महावीर मंदिर के पास, चिड़ियांघर गेट नं0–02 के पास, राजवंशीनगर बेली रोड, हनुमान मंदिर आदि स्थानों पर होर्डिंग्स डिस्प्ले किया गया।

प्राधिकरण द्वारा अपराध अनुसंधान विभाग, पटना, एम्स, पटना, कम्यूनिटी ट्रैफिक पुलिस एवं अन्य हितभागियों के सहयोग से सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान 01, 04, एवं 05 फरवरी 2021 को राज्य के चिन्हित जिलों यथा मुजफ्फरपुर, पूर्वी चम्पारण, पश्चिम चम्पारण, गोपालगंज, भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर एवं NH-77, 83, 30 आदि नेशनल हाइवे पर स्थित थानों के पुलिस पदाधिकारियों का सड़क सुरक्षा, अस्पताल पूर्व चिकित्सा, गुड समैरिटन गाइडलाईन्स आदि के बारे में ऑनलाइन संवेदीकरण किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 250 से अधिक पुलिस पदाधिकारियों ने भाग लिया।

पूर्णियां जिले के सामुदायिक स्वयंसेवकों/नेहरू युवा केन्द्र के सदस्यों को सड़क सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार विषय पर ऑनलाईन संवेदीकरण दिनांक 02.02.2021 को किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 272 हितभागियों ने भाग लिया गया।

दिनांक 03 फरवरी 2021 बीमा कंपनियों के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों का Claims Settlement विषय पर ऑनलाइन संवेदीकरण किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 20 हितभागियों ने भाग लिया।

प्राधिकरण द्वारा एम्स, पटना एवं कम्यूनिटी ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से दिनांक 06.02. 2021 को पेट्रोल पम्प/ढाबा के मालिकों एवं कर्मियों का सड़क सुरक्षा, अस्पताल पूर्व चिकित्सा एवं गुड समैरिटन गाइडलाईन्स आदि के बारे में ऑनलाईन संवेदीकरण किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 25 से अधिक पेट्रोल पम्प/ढाबा के मालिकों एवं कर्मियों ने भाग लिया।

सड़क सुरक्षा सप्ताह 2021 के दौरान ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन/बिहार राज्य परिवहन मित्र कामगार संघ/ऑटो टेम्पों यूनियन आदि के सहयोग से पटना शहर सहित राज्य के अन्य जिलों में सड़क सुरक्षा एवं कोविड–19 जन–जागरूकता सामग्रियों तथा

परिचर्चा के माध्यम से प्रचार–प्रसार किया गया। प्राधिकरण द्वारा प्रचार–प्रसार अभियान में शामिल होने वाले सदस्यों के लिए 1,000 फेश मास्क भी उपलब्ध कराया गया।

"सड़क सुरक्षा सप्ताह 2021" के दौरान जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मुजफ्फरपुर, खगड़िया, पूर्णियां, गया एवं औरंगाबाद के सहयोग से आयोजित की गई गतिविधियांः–

- सड़क सुरक्षा सप्ताह 2021 के दौरान मुजफ्फरपुर, खगड़िया, पूर्णियां, गया एवं औरंगाबाद जिलों में निम्नलिखित प्रकार के जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गये :
- विभिन्न प्रमुख स्थानों पर सड़क सुरक्षा सलाह (Advisory) संबंधी होर्डिंग्स का डिस्प्ले।
- साईकिल रैली एवं ऑडियो/वीडियो क्लिक लगाकार चलंत वाहन के माध्यम से प्रचार–प्रसार।
- सड़क सुरक्षा आग्रह, कार्यशाला, पंचायत स्तर पर विचार गोष्ठी, स्लोगन लेखन, वाद विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता, दीवाल लेखन एवं चित्रकारी तथा समुदाय के बीच सड़क सुरक्षा संबंधी पम्पलेट्स का वितरण।
- Road Safety Clinic के द्वारा अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण।
- ऑटो एवं अन्य वाहन चालकों हेतु सड़क सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार विधियों पर आधारित प्रशिक्षण।
- उल्लिखित जिलों में विभिन्न प्रकार के जन–जागरूकता कार्यक्रमों में लगभग 3920 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

## (F) जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न हितभागियों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा में युवक/युवतियों एवं उनके परिवारों को सुरक्षित रहने के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम 30 नवम्बर 2019 से प्रारंभ किया गया है। कोविड–19 के कारण इस कार्यक्रम को मार्च 2020 में स्थगित करना पड़ा। सारण जिले के नेशलन हाइवे –19 पर अवस्थित 22 विद्यालयों/महाविद्यालयों में यह कार्यक्रम आयोजित हुए। अभी तक विभिन्न विद्यालयों/महाविद्यालयों के लगभग 2100 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं ने इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में परिवहन विभाग, AIIMS पटना, संकल्प ज्योति और प्रेरणा के साथ–साथ अन्य संगठनों के सहयोग से इस कार्यक्रम को विभिन्न जिलों से गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग एवं जिले के अन्य प्रमुख शहरों के किनारे एवं आस–पास के उच्च एवं माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में चलाया जाना है।

उक्त कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु सड़क दुर्घटनाओं संबंधी विडियो क्लिप्स (क्या करें, क्या नही करें) का प्रदर्शन, सड़क दुर्घटना में प्रभावित हुये छात्र/छात्राओं द्वारा अनुभव साझा करना, नुक्कड़ नाटक, अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा हेतु शपथ, प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण आदि गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है। इस संबंध में माड्यूल एवं प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गयी है।

कोविड–19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को पुनः फरवरी 2021 में प्रारंभ किया गया। फरवरी माह 2021 में जहानाबाद एवं वैशाली जिले के अन्तर्गत अवस्थित निम्नलिखित विद्यालयों/संस्थानों में यह कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

| क्र0सं0 | दिनांक | विद्यालय का नाम |
|---|---|---|
| 1 | 15.02.2021 | रामानुज आचार्य 10+2 विद्यालय, नौआवा, जहानाबाद |
| | | सारता इंटर स्तरीय विद्यालय, जहानाबाद |
| 2. | 23.02.2021 | केन्द्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान, हाजीपुर, वैशाली |
| | | आई०टी०आई०, वैशाली |

उक्त तिथि के कार्यक्रम में विद्यालयों के लगभग 600 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा AIIMS, पटना और संकल्प ज्योति सेफ्टी एलायन्स के सहयोग से दिनांक 13 फरवरी 2021 आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में सड़क सुरक्षा एवं अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रेरणा नुक्कड़ नाटक टीम के द्वारा सड़क दुर्घटना के कारणों एवं बचाव के बारे में प्रस्तुति दी गई। प्रतिभागियों के बीच प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण, सड़क सुरक्षा जिंगल का प्रसारण एवं विश्वविद्यालय परिसर में सड़क सुरक्षा सलाह/उपायों संबंधी होर्डिंग का अधिष्ठापन किया गया। इसी क्रम में एक होर्डिंग का अधिष्ठापन राष्ट्रीय चाणक्य विधि विश्वविद्यालय परिसर में भी किया गया।

AIIMS,पटना टीम के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को अस्पताल पूर्व प्राथमिक चिकित्सा देने के तरीकों के बारे में प्रायोगिक अभ्यास कर बताया गया। संकल्प ज्योति के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं के कारणों एवं रोकथाम के उपायों, यातायात नियमों, संकेतों एवं गुड समैरिटन गाईडलाइंस आदि के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया गया।

कार्यक्रम में आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मियों के अलावा विश्वविद्यालय से संबंद्ध सेंट जेवियर्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन, दीघा, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजेमेंट, हाजीपुर और मुंडेश्वरी कॉलेज फॉर टीचर्स एजुकेशन के लगभग 125 शिक्षक एवं छात्र/छात्राओं ने भाग लिया।

## (G) सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत मास्टर ट्रेनर्स के रिफ्रेशर प्रशिक्षण हेतु तैयारी बैठक एवं NINI एवं एस०डी०आर०एफ० के प्रशिक्षकों का संवेदीकरण

सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत मास्टर ट्रेनर्स के रिफ्रेशर प्रशिक्षण के आयोजन हेतु NINI एवं SDRF के पदाधिकारियों एवं Resource Persons के साथ दिनांक 17.02.2021 को एक बैठक आयोजित की गई । इस बैठक में पटना, वैशाली, भोजपुर, बेगूसराय एवं खगड़िया जिलों के चिन्हित प्रखण्डों के प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स का 03 दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कोविड–19 प्रोटोकाल के तहत मार्च माह 2021 के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। उल्लिखित 03 दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न सैद्वांतिक एवं प्रायोगिक सत्रों में सम्पादित किये जाने वाले पाठ्यक्रम पर विमर्श एवं इसका निर्धारण किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रशिक्षण में भाग लेने वाले मास्टर ट्रेनर्स को कोविड–19 की RTPCR जांच करवाना आवश्यक है और Negative रिपोर्ट लेकर ही प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। RTPCR जांच में यदि उनकी राशि व्यय होती है तो प्राधिकरण के स्तर से इसका समायोजन किया जायेगा।

सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत मास्टर ट्रेनर्स के रिफ्रेशर प्रशिक्षण के आलोक में NINI एवं एस०डी०आर०एफ० के प्रशिक्षकों का संवेदीकरण दिनांक–23.02.2021 को प्राधिकरण के सभागार में किया गया।

## (H) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम के तहत फरवरी माह को हुई बैठक में सदस्य के सलाह पर यह निर्णय लिया गया कि राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में अग्नि से सुरक्षा हेतु आवश्यक उपाय को किया जाना आवश्यक है। इस आलोक में यह निर्णय लिया गया कि अग्नि सुरक्षा के परिपेश्य में सभी अस्पतालों की वर्तमान स्थिति का आकलन जरूरी है। इस उद्देश्य से बिहार सरकार द्वारा भवन निर्माण विभाग को फायर सेफ्टी ऑडिट कराने का दायित्व सौंपा गया है। भवन निर्माण विभाग द्वारा '16 बिन्दु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के मापदण्डों के अनुसार अलग–अलग बिन्दुओं पर इन अस्पतालों की जाँच होगी। इन मानकों पर प्राप्त अंकों के आधार पर अस्पतालों की रैंकिंग की जायेगी एवं आवश्यकतानुसार अग्नि सुरक्षा संबंधी उपाय किये जायेगें ताकि अस्पतालों को अग्नि से सुरक्षित बनाया जा सके एवं अगलगी की संभावनाओं को कम कर इससे होने वाले जान–माल के क्षति को रोका जा सके।

**भागलपुर स्थित सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण :–**

दिनांक 08.02.2021 को जिला अग्निशाम के पदाधिकारियों और प्राधिकरण द्वारा प्रस्तुत '16 बिन्दु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर भागलपुर के तीन सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण किया गया। जिसमें समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सबौर, भागलपुर, जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल एवं सदर अस्पताल, भागलपुर शामिल हैं। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों अस्पतालों में प्रमुख रूप से निम्नलिखित आवश्यक उपायों को करने की आवश्यकता है:–

1. अस्पताल भवनों में बिजली पैनल, उपकरण एवं गुणवता एवं क्षमता युक्त उच्च बिजली के तारों को लगाना।
2. अस्पतालों में अग्निशमन यंत्र एवं उचित संख्या में फायर बॉल लगाना।
3. आकस्मिक/फायर निकास को चिन्हित एवं प्रदर्शित करना।
4. बिजली के तारों को जोड़ने के लिए ग्लैंड का इस्तेमाल करना।
5. फायर एलार्म, हूटर, पी.ए. सिस्टम आदि लगाना।

6. एफ.आर.पी. बनाना एवं
7. सुरक्षा कर्मियों के बीच समन्वय स्थापित करना है।

इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सबौर में जेनरेटर की अर्थिंग को ठीक करने तथा ट्रांसफर्मर के नीचे साफ–सफाई की जरूरत है। यहां 10 अदद अग्निशमन यंत्र एवं 05 फायर बॉल लगाने की आवश्यकता है। इसी तरह जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में पैनल के नीचे रबर मैट लगाना, जेनरेटर अर्थिंगं को ठीक करना एवं खरपतवार, घास आदि की सफाई की जरूरत है। वार्ड और बरामदा को अवाधित रखने तथा फायर नियंत्रण कक्ष की स्थापना आदि महत्वपूर्ण है।

सदर अस्पताल में ब्लड बैंक के बगल में ट्रांसफमर के तार को और ऊँचा करने, 40 अग्निशमन यंत्र एवं 12 अदद फायर बॉल लगाने की जरूरत है। इस प्रकार '16 बिन्दु अग्नि प्रवणता सूचकांक' में प्राप्त अंकों एवं निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार इन अस्पतालों को त्वरित रूप से उपर्युक्त उपायों की आवश्यकता है जिससे इन अस्पतालों को आग से सुरक्षित बनाया जा सके।

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

## (I) पशुधन सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, यहां लगभग सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती है। यह राज्य जहाँ एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर एवं लू आदि आपदओं से भी इस राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित रहता है। इन आपदाओं से मानव ही नहीं बल्कि पशु भी प्रभावित होते हैं। आपदाओं की स्थिति में मानव के साथ–साथ पशुधन की भी बड़े पैमाने पर क्षति होती है। यद्यपि आपदाओं को घटित होने से रोका तो नही जा सकता है, किन्तु इनसे होने वाली क्षति को कम करने के लिए पशुधन सहायकों का कौशल विकास और आपदाओं के खतरों की पहचान कर पशुधन की सुरक्षा का समुचित प्रबंधन किया जा सकता है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, एवं बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 13.08.2019 को बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में राज्य पशु आपदा प्रबंधन योजना के प्रारूप पर चर्चा कर उसे अंतिम रुप देने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के सचिव के द्वारा अनुरोध किया गया कि ''आपात स्थिति में पशु

प्रबंधन'' विषय पर पशु चिकित्सकों के तर्ज पर पशुधन सहायकों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

उपर्युक्त वस्तुस्थिति के मद्देनजर ''आपात स्थिति में पशु प्रबंधन'' विषय पर पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार के पशुधन सहायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग एवं बिहार भेटनरी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 15 फरवरी, 2021 से आरम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि बहु–आपदाओं की स्थिति में आपदा के पहले, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद किस तरह पशुओं की सुरक्षा एवं प्रबंधन किया जाय। फरवरी 2021 तक कुल 02 बैचों में 57 पशुधन सहायकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

## (J) संसाधन की उपलब्धता ही नहीं, जानकारी भी जरूरी

Bihar State Disaster Resource Network BSDRN एक वेब आधारित प्लेटफार्म तैयार किया गया है। यह प्लेटफार्म विभिन्न उपकरणों, प्रशिक्षित मानवीय संसाधनों एवं अत्यावश्यक सामग्रियों की जानकारी आपदा रिस्पांस के लिए उपलब्ध कराता है। इसका प्रमुख उद्देश्य आपदा के समय उपयोग होने वाले उपकरणों एवं मानव संसाधनों आदि के विषय में सही जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि बिना समय गवाएं आपदा का सामना किया जा सके। इसके माध्यम से विभिन्न जिलों में विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए तैयारियों का अनुमान भी लगाया जा सकेगा। इसके माध्यम से आपदा के वक्त (Golden Hour) में लोगों तक प्रभावी रिस्पांस एवं राहत पहुंचा कर उनकी जान बचायी जा सकेगी।

**आपदाओं का जवाब देने की चुनौतियांः–**

1. पेशेवर तरीके से आपदाओं का जवाब देने में प्रमुख चुनौतियों में से एक संसाधनों की व्यवस्थित सूची की कमी है, जैसे बचाव उपकरण और कुशल मानव संसाधननों की उपलब्धता इत्यादि।
2. संसाधनों की सूची का अभाव प्रभावी और तेजी से प्रतिक्रिया में देरी करता है, यह घातक हो सकता है। BSDRN पोंटल में फरवरी तक कुल 7831 डेटा की इंट्री विभिन्न विभागों, विभिन्न जिलों तथा निजी संस्थानों के द्वारा की गई।
3. इस पोंटल पर कुल छः प्रकार की Category बनाई गयी है सभी Categories में अलग–अलग अंकित संसाधनों की संख्या है। इस केटोगरी पर क्लीक करते ही सम्पूर्ण ब्योरा प्राप्त हो जाता है। इससे आपदा से निपटने में जुटी ऐजेंसियों को पता चलता है कि कहां कौन सामग्री उपलब्ध है।

**अब तक संधारित आंकड़ों के अनुसार**
**7831 प्रकार के मानव बल समेत अन्य उपकरण आदि उपलब्ध हैं जो इस प्रकार हैः–**

**खोज एवं बचाव उपकरण :–2867**
**कुशल जनशक्ति :–3088**
**परिवहन :–148**
**खाद्य और जल जलस्त्रोत :–265**
**सुरक्षा और आश्रेयः– 1471**

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

आपातकालीन आपूर्ति और सेवाएं :– **166**
कुल संख्या :– **8005**

## संसाधनों की जानकारी के लिए बैठक

बिल्डर एसोसिएशन के साथ ऑनलाइन प्रशिक्षण सह संवेदीकरण बैठक 05.02.2021

25.02.2021 को पूर्णिया जिले के लाइन विभाग के साथ ऑनलाइन प्रशिक्षण सह संवेदीकरण बैठक।

## (K) s Mass Messaging

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, जहां सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ का प्रकोप झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर लू, वज्रपात इत्यादि आपदाओं से भी राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित रहता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा की खतरा से अवगत कराना जरूरी है। इसलिए आपदाओं में 'क्या करें क्या न करें एसएमएस के माध्यम से लोगों को जानकारी दिया जाता है।

प्राधिकरण में उपलब्ध विभिन्न मोबाइल नंबर जैसे जिला पदाधिकारी DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), साथ ही साथ प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जन प्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी–(148890), आशा कार्यकर्ता (77542), आगनबाड़ी सेविका (45946) एवं प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंता एवं राजमिस्त्रियों एवं अन्य (लगभग 36 लाख नंबर) पर विभिन्न आपदाओं के बारे में समय–समय पर नियमित मास मैसेजिंग (सामूहिक संदेश संप्रेषण) किये जाते हैं।

मास मैसेजिंग आपदा प्रबंधन के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण यूनिट बन गया है। जिसका उपयोग न केवल Early Warning तक सिमित है, बल्कि आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों जैसे Disaster Preparedness, Mitigation पर जागरूकता एवं बचाव हेतु भी जानकारी भेजी जाती है। इस तकनीक की मदद से कम समय में अधिकतम लोगों को Text Message के रूप में क्या करें, क्या न करें की जानकारी दी जा रही है। फरवरी माह में अब तक कुल 8389536+1162281 +1074182= 10,625,999 Mass Message निम्नलिखित विषयों पर भेजा जा चुका है।

- **सड़क दुर्घटना से बचने के उपाये**
- **नाव दुर्घटना**

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

**जनहित में जारी**

## सड़क दुर्घटना से बचने के उपाय

सड़क पार करते समय हमेशा दायें और बायें देख कर पार करें।
सड़क पर चलते समय या सड़क पार करते समय कान में इयरफोन लगा कर न चलें।
दुपहिया वाहन चालक और उनके पीछे बैठने वाली सवारी हमेशा हेलमेट पहन कर चलें।
हमेशा सीट बेल्ट बांध कर गाड़ी चलायें।
वाहन सवार एवं पैदल यात्री एम्बुलेंस को जाने के लिए रास्ता छोड़ें ।
गाड़ी चलाते समय सेल्फी न लें।

## नाव दुर्घटना से बचने के उपाय

जिस नाव पर पंजीकरण संख्या अंकित हो उसी नाव से यात्रा करें।

जिस नाव पर लदान क्षमता दर्शाते हुए सफेद पट्टी का निशान लगा हो उसी नाव से यात्रा करें।

किसी भी स्थिति में ओवर लोडेड नाव पर न बैठें।

छोटे बच्चों को अकेले नाव की यात्रा न करने दें।

जिस नाव पर जीवन रक्षा के लिए लाईफ जैकेट, लाईफ बॉय, के साथ प्राथमिक उपचार बॉक्स एवं रस्से आदि ठीक तरीके से रखे हों उसी नाव से यात्रा करें।